Child Health Nursing, Video 01

Q. पीडियाट्रिक नर्सिंग में प्रवृत्तियों को समझाइए।

Describe the trends in pediatric nursing.

उत्तर - पीडियाट्रिक नर्सिंग की प्रवृत्तियाँ

(Trending in pediatric nursing) –

पीडियाट्रिक नर्सिंग नर्सिंग का एक नया क्षेत्र है जिसमें आधुनिक तकनीक, मेडिकल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य की अवधारणाओं के साथ अनेक परिवर्तन स्वाभाविक है।

पहले जहाँ स्वास्थ्य सेवाएँ बीमारी उद्देशित (disease oriented) थीं, वहीं अब ये health-oriented हैं अर्थात् अब बीमार होने पर हैल्थ केयर की अपेक्षा स्वास्थ्य का उच्च स्तर प्राप्त करने व इसे बनाए रखने की ओर सेवाएँ निर्देशित होती हैं।

वर्तमान में पीडियाट्रिक नर्सिंग के अन्तर्गत निम्न क्षेत्रों में परिवर्तनीय झुकाव देखा जा सकता है -

✓चोटरहित देखभाल

✓परिवार आधारित देखभाल

✓महिला सशक्तिकरण व आर्थिक समस्याएं घटाना

✓Evidence based practice

✓उचित तकनीक देखभाल

✓बच्चो हेतु उत्तम वातावरण

Pediatric nursing is a new field of nursing in which many changes are natural with the modern technology, medical and community health concepts.

Whereas earlier health services were disease oriented, now they are health-oriented i.e. now services are directed towards achieving and maintaining a high level of health rather than health care when one is sick.

At present, changing inclination can be seen in the following areas under pediatric nursing -

✓Injury free care

✓Family based care

✓Women empowerment and reducing economic problems

✓Evidence based practice

✓Appropriate technology care

✓Best environment for children

Q. रोकथाम पीडियाट्रिक से आप क्या समझते हैं?

What do you understand with preventive pediatrics?

उत्तर - रोकथाम पीडियाट्रिक (Preventive Pediatrics)

अनेक प्रकार की बीमारियों को रोकने के लिए और बच्चों के शारीरिक (physical), मानसिक (mentally), एवं सामाजिक कल्याण (social welfare) को प्राथमिकता देना, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार किया जा सके रोकथाम पीडियाट्रिक कहलाती है।

To prevent many types of diseases and to give

priority to the physical, mental, and social welfare of children, so that the health of children can be improved, prevention is called pediatric.

रोकथाम पीडियाट्रिक्स की अवधारणा को समझने के लिए मुख्य रूप से दो बातों को समझना आवश्यक है-

To understand the concept of prevention paediatrics, it is necessary to understand mainly two things-

1. जन्म से पहले या गर्भावस्था के दौरान रोकथाम संबंधी पीडियाट्रिक्स

(Antenatal preventive pediatrics)

2. जन्म के बाद रोकथाम संबंधी पीडियाट्रिक्स

(Postnatal preventive pediatrics)

1. गर्भावस्था के दौरान रोकथाम संबंधी पीडियाट्रिक्स

(Antenatal preventive pediatrics) –

गर्भावस्था के दौरान रोकथाम संबंधी पीडियाट्रिक निम्न प्रकार से होने चाहिए-

(a) गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण उपलब्ध कराना।

(b) संक्रामक बीमारियों (infectious disease) की रोकथाम करना।

(c) प्रसव प्रक्रिया के बारे में माँ को शिक्षित करना और उसे तैयार करना।

(d) माँ को स्तनपान का महत्व समझाना।

Pediatric preventive measures during pregnancy should be as follows-

(a) To provide adequate nutrition to pregnant women.

(b) To prevent infectious diseases.

(c) Educating and preparing the mother about the delivery process.

(d) To explain the importance of breastfeeding to the mother.

2. जन्म के पश्चात रोकथाम संबंधी पीडियाट्रिक्स

(Postnatal preventive pediatrics)

जन्म के पश्चात शिशु की पीडियाट्रिक्स निम्न प्रकार से की जानी चाहिए-

(a) शिशुओं का चिकित्सीय परीक्षण (medical test) एक निश्चित समय पर कराया जाना चाहिए।

(b) बच्चों में सही समय पर टीकाकरण करना।

(c) अपघातों की रोकथाम करना।

(d) मनोवैज्ञानिक निगरानी करना।

After birth, pediatrics of the baby should be done in the following manner-

(a) Medical examination of infants should be done at a fixed time.

(b) To vaccinate children at the right time.

(c) To prevent accidents.

(d) To carry out psychological monitoring.

Q. जीवनाक को परिभाषित कीजिए। भारत सरकार के अनुसार बाल स्वास्थ्य से संबंधित जीवनांक का वर्णन कीजिए।

Define vital statistics. Describe child health care statistics according to Government of India.

उत्तर- जीवनांक (Vital Statistics) -

जन्म, मृत्यु से संबंधित आंकड़े जीवनांक कहलाते हैं अथवा जन्म, मृत्यु और विवाह से संबंधित सांख्यिकीय आंकड़ों को ही जीवनांक (vital statistics) कहते हैं।

Data related to birth and death are called vital statistics or statistical data related to birth, death and marriage are called vital statistics.

कुछ महत्वपूर्ण जीवनांक आंकड़े निम्नलिखित हैं-

Some important vital statistics are as follows-

• जन्मदर (Birth Rate)

• मृत्युदर (Death Rate)

• विशिष्ट मृत्युदर (Specific Death Rate)

• बाल मृत्युदर (Child Death Rate)

• नवजात शिशु मृत्युदर (Neonatal Mortality Rate)

• जन्म के दौरान मृत्युदर (Perinatal Mortality Rate)

पाँच वर्ष से कम आयु की मृत्यु दर (Mortality Rate under five year age)

• मातृ मृत्युदर (Maternal Mortality Rate)

• जीवन की आशा (Expectancy of Life)

• सामान्य जनन क्षमता की दरें

(Rate of General Reproductive Capacity)

जन्मदर (Birth Rate) –

वर्ष के मध्य में ऑकलन (assess) की गई जनसंख्या में से एक वर्ष में जीवित पैदा होने वाले बच्चों की संख्या ही जन्मदर कहलाती है।

The number of children born alive in a year out of the population assessed in the middle of the year is called birth rate.

मृत्युदर (Death Rate) –

वर्ष के मध्य में आंकलित प्रति एक हजार की जनसंख्या में से एक वर्ष में होने वाली मौतों की संख्या मृत्यु दर कहलाती है।

The number of deaths in a year out of every one thousand population assessed in the middle of the year is called death rate.

जीवनांकों के उपयोग (Uses of Vital Statistics)

जीवनांकों के मुख्य उपयोग निम्नलिखित हैं-

Following are the main uses of life numbers-

1. योजना एवं स्वास्थ्य प्रशासन के लिए।

2. समुदाय की स्वास्थ्य सस्याओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं अनुसंधान के लिए।

3. समुदाय की स्वास्थ्य स्थिति को ज्ञात करना तथा उसकी स्वास्थ्य समस्याओं एवं आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए।

1. For planning and health administration.

2. For community health issues, maternal and child health and research.

3. To know the health status of the community and to identify its health problems and needs.

जीवनांकों के स्त्रोत (Sources of vital statistics) –

जीवनांकों के प्रमुख स्रोत निम्नलिखित हैं-

Following are the main sources of life numbers-

1. जनगणना

2. जन्म, मृत्यु एवं विवाह का पंजीकरण ।

3. संक्रामक बीमारियों की अधिसूचना जारी करना।

4. प्रत्येक क्षेत्र में एक निश्चित समय अंतराल से स्वास्थ्य सर्वे करवाना।

5. अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों के रिकार्ड का संधारण करना।

1. Census

2. Registration of birth, death and marriage.

3. Issuing notification of infectious diseases.

4. To conduct health survey in every area at a fixed time interval.

5. To maintain records of hospitals and health centres.